



बिहार में बढ़ा हुआ आरक्षण रद्द

जनगणना

- नीतीश कुमार को पटना हाईकोर्ट से बड़ा झटका
- भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है आरक्षण

पटना। राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था। जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ। महागठबंधन सरकार के भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राज्य में आरक्षण का प्रतिशत 65 तक पहुंचा दिया था। लोकसभा



चुनाव 2024 में महागठबंधन के मुख्य दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस आरक्षण का कैंडिडि भी लिया। किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था। लेकिन अब, पटना हाईकोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है। कोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका मारा जा रहा है। गुरुवार को सुनवाई की दौरान पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के

अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू होगी। दरअसल, 65 प्रतिशत

सुप्रीम कोर्ट जाएगी बिहार सरकार

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने पटना उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के आरक्षण में 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी को रद्द करने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल किया। उन्होंने कहा कि हम आहत हैं और हमें पहले से ही इस बात का अंदेश था कि वीजेपी आरक्षण को रोकने की कोशिश करेगी। हमने चुनाव के दौरान

पहले ही कहा था कि वीजेपी वाले आरक्षण के खिलाफ हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि सीएम इस पर चुप क्यों हैं? मुख्य न्यायाधीश के पिनोद चंद्रन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पिछले साल नवंबर में राज्य सरकार द्वारा लाए गए कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं के एक बच पर आदेश पारित किया।

आरक्षण कानून के खिलाफ गौरव कुमार व अन्य लोगों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए

आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी। न कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान। यह जो 2023 का संशोधित अधिनियम बिहार सरकार ने पारित किया है, वह भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

शराब घोटाला मामले में केजरीवाल को जमानत

याचिका

- एक लाख के मुचलके पर कोर्ट से मिली राहत
- आज हो सकते हैं जेल से रिहा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक लाख के मुचलके पर अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत से जांच एजेंसी को जमानत बांड स्वीकार करने के

ईडी बेल के खिलाफ करेगी अपील

एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने जमानत के खिलाफ अपील के लिए 48 घंटे का समय मांगा है। कोर्ट ने कहा कि वे दलीलें कल इट्टी जज के सामने की जा सकती हैं। इससे पहले ईडी ने कोर्ट में कहा था कि जमानत पर 48 घंटे का रेटे लगाया जाए, लेकिन वेकेशन बेंच ने इससे इनकार कर दिया। जमानत याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में आज लगातार दूसरे दिन सुबह सुनवाई हुई। जज न्यायबिंदु की वेकेशन बेंच ने ईडी और केजरीवाल की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरतिष्ठ रख लिया था।



लिए 48 घंटे का समय देने का अनुरोध किया ताकि आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जा सके।

उहालाकि, विशेष न्यायाधीश नियाय बिंदु ने स्पष्ट किया कि जमानत आदेश पर कोई रोक नहीं है।

नीट और यूजीसी नेट परीक्षा के मुद्दे पर हंगामा

नई दिल्ली। विभिन्न छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आज जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। सभी प्रदर्शनकारी शास्त्री भवन के सामने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदेव प्रधान से इस्तीफे की मांग में जुट गए। प्रदर्शनकारी छात्र शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारी शास्त्री भवन के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान यातायात भी बाधित हुई। वहां तैनात पुलिसकर्मीयों ने प्रदर्शनकारियों को कहों की कोशिश की, लेकिन सभी वहां डटे रहे। ऐसे में उन्हें धरना खत्म करने के लिए कड़ी मशकत करनी पड़ी। प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर वहां से हटाया गया। प्रदर्शनकारी छात्र कई बैनर लेकर वहां पहुंचे थे। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (प्रशासन) सैयद एकराम रिजवी ने इस दौरान प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की।

न्यूज डायरी

जमानती वारंट जारी

सुलतानपुर। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ यहां की एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने जमानती वारंट जारी किया है। यह वर्ष 2021 के महाभारती अधिनियम के उल्लंघन से जुड़ा मामला है जिसमें सिंह वारंट के बावजूद अदालत में पेश नहीं हुए थे। विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय ने बताया कि 13 अप्रैल 2021 को वन्युआकलन के थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने संजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

29 लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लकुटिचि जिले में अश्वेष्ट देशी शराब पीने से अब तक 29 लोगों की मौत हो गई है। जिलाधिकारी एम. एस प्रसाद ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कल्लकुटिचि में पत्रकारों को बताया कि अश्वेष्ट देशी शराब पीने से 109 लोग बीमार हैं और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। हालात से निवृत्तों के लिए निकटवर्ती सरकारी, मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञों सहित पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों को सेवा में लगाया गया है।

विस अध्यक्ष बनी सुरमा

शुबनेश्वर। वरिष्ठ भाजपा नेता और राणपुर विधायक सुरमा पाद्री को ओडिशा विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इस पद के लिए चुनाव गुरुवार को होना था, लेकिन नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख बुधवार को न तो बीजद और न ही कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया, जिससे पाद्री को निर्विरोध चुना गया।

एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने यूजीसी नेट परीक्षा में गड़बड़ी के मामले में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बता दें कि परीक्षा का आयोजन 18 जून को किया गया था। परीक्षा में कथित तौर पर गड़बड़ी की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के तहत काम करने वाली स्वायत्त संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को हुई यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर के कार्यक्रम को सम्बोधित किया

जम्मू कश्मीर के लोग जल्द चुनेंगे अपनी सरकार

कार्यक्रम

- सबको बांटने अनुच्छेद 370 की दीवार गिर चुकी है
- जम्मू कश्मीर में सबको अधिकार और अवसर मिले : पीएम मोदी

जम्मू। पीएम मोदी ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि जल्द ही जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा मिल सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां जारी हैं। पीएम ने कहा कि सबको बांटने वाली दीवार अनुच्छेद 370 हटा दी गई है और प्रदेश में सभी को समान अवसर और अधिकार मिल रहे हैं। गुरुवार को श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम दो दिवसीय दौरे पर जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर पहुंचे। दौरे के पहले दिन श्रीनगर में उन्होंने युवाओं को



सशक्त बनाना और जम्मू कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम को संबोधित किया। शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में योग दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह का नेतृत्व करेंगे। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने बड़ी कही है। उन्होंने कहा, वो दिन भी जल्द आएगा जब जम्मू कश्मीर राज्य के रूप में अपना भविष्य और उज्ज्वल बनाएगा। जम्मू कश्मीर में

विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां हो रही हैं। जल्द यहां के लोग अपनी सरकार चुनेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि सबको बांटने वाली अनुच्छेद 370 की दीवार गिर चुकी है। अब सही मायने में जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान लागू हुआ है और जिन्होंने इसे अब तक लागू नहीं हुआ है, वो इसके दोषी हैं। आज लाल चौक में शाम तक रौनक रहती है। अब डल झील के किनारे स्पोर्ट्स

जनता को लेटलतीपी अब पसंद नहीं है

पीएम ने कहा जनता को लेटलतीपी अब पसंद नहीं है। अब वो परिणाम चाहती है। हमारी सरकार रिजल्ट लाकर दिखाती है। इस प्रदर्शन के आधार पर जनता ने तीसरी बार चुनाव दे दिया है। साठ साल बाद इसी प्रदर्शन के चलते इसी भरोसे के चलते जनता ने हमारी सरकार को चुना है। पीएम मोदी ने कहा उनकी सरकार ने सबको अधिकार और अवसर दिए हैं। महिलाओं को लाभ मिला। समाज के कमजोर तबकों की आवाज सुनी गई।

कारों का शो हुआ, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। पहली बार विधानसभा में एसटी समुदाय की सीटें आरक्षित की गईं। पहाड़ी समुदाय, पाडरी, गड्डू ब्राह्मण को एसटी का आरक्षण मिला है। आबोसी को उनके अधिकार मिले हैं। कहा कि जम्मू कश्मीर के साथ उनका अटूट रिश्ता है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने उनकी सरकार को तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है।

6 राज्यों की आठ लोकसभा सीटों की ईवीएम होगी चेक

मांग

- माजपा ने 3, कांग्रेस ने 2 सीटें जीतीं, जांच के लिए 8 आवेदन मिले

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग को चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में लगी माइक्रो-कंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर के द्वारा की जाएगी। अदालत ने इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया था कि इस जांच का खर्च उम्मीदवारों से आठ आवेदन मिले हैं। ईवीएम में छेड़छाड़ के संदेह को 'निराधार' करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने 26 अप्रैल को मतपत्र से मतदान कराने की पुरानी प्रणाली को फिर से शुरू करने की मांग खारिज कर दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए शीघ्र अदालत ने कहा था कि उम्मीदवार



चाहे तो चुनाव परिणाम घोषित होने के सात दिन के भीतर परिणाम की दोबारा जांच की मांग कर सकता है और ऐसी स्थिति में माइक्रो-कंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर के द्वारा की जाएगी। अदालत ने इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया था कि इस जांच का खर्च उम्मीदवार को उठाना होगा। अदालत ने कहा था कि चुनाव परिणाम में गड़बड़ी साबित होने की स्थिति में उम्मीदवार को सारा खर्च वापस मिल जाएगा। अहमदनगर (महाराष्ट्र) से भाजपा के उम्मीदवार सुजय विखे पाटिल ने 40 मतदान केंद्रों से संबंधित ईवीएम का सत्यापन कराने की मांग की है।

गर्मी का सितम

दिल्ली में गर्मी से 24 घंटे में 22 से अधिक मौत



नई दिल्ली। दिल्ली में भीषण लू के कहर से बृहस्पतिवार को बीते 24 घंटे में 22 से अधिक मरीजों ने दम तोड़ दिया। आशंका है कि इनकी मौत लू की चपेट में आने से हुई है। मृतकों का पहले इलाज दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा था। दूसरी तरफ अस्पताल पहुंचे 34 लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। डॉक्टरों की माने तो गुरुवार को मौसम में आए बदलाव के कारण कुछ सुधार देखने को मिला, लेकिन

कई जगहों पर लू की चपेट में आ चुके मरीजों की हालत काफी खराब हो गई। सफदरजंग अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गर्मी के कारण 24 घंटे में 33 मरीजों को भर्ती किया गया। वहीं, 13 मरीजों ने दम तोड़ दिया। जबकि डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पिछले 24 घंटे में भीषण लू के कारण 22 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल में चार मरीजों ने दम तोड़ दिया। इसके अलावा 19 शव को अस्पताल लाया

पांच डिग्री गिरा पारा

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बुधवार रात हुई हल्की बूंदाबांदी व तेज हवा के कारण तापमान में करीब पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बीते कई दिन से 44-45 डिग्री सेल्सियस चल रहा तापमान गुरुवार को लुढ़ककर 40 डिग्री पहुंच गया। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। आयानगर और जाफरपुर को छोड़कर मौसम विभाग के कई केंद्रों पर तापमान 40 डिग्री से नीचे ही दर्ज किया गया।

गया। लोकनायक अस्पताल में पिछले 24 घंटे में 18 नए मरीजों को भर्ती किया गया। चार मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल में अभी 22 से अधिक मरीजों का इलाज चल रहा है। दिन दयाल उपाध्याय अस्पताल से मिली

बारिश से मौसम खुशनुमा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी के बाद आंधी-बारिश से लोगों को राहत मिली है। ज्यादातर हिस्सों में बृहस्पतिवार को दिन का तापमान 40 डिग्री से भी नीचे आ गया। वहीं न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने घोषणा कर दी है कि मानसून बिहार पहुंच गया है। सबकुछ ठीक रहा तो आने दो से तीन दिन में उत्तर प्रदेश में इसका प्रवेश हो जाएगा। राजधानी लखनऊ और आसपास 23-24 जून को अच्छी बारिश के आसार हैं।

जानकारी के मुताबिक बीते 24 घंटे में अस्पताल में करीब 15 शव लाए गए। दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी के बाद बड़ी संख्या में लोग दम तोड़ रहे हैं। दिल्ली के शमशाण भूमि में पहुंचे शव की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले ज्यादा है।

भाजपा सांसद भर्तृहरि बने प्रोटेम स्पीकर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भाजपा सांसद भर्तृहरि महाताब को 18वीं लोकसभा के लिए प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजजू ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा के अध्यक्ष के चुनाव तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। किरन रिजजू ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा के सदस्य भर्तृहरि महाताब को संविधान के अनुच्छेद 95(1) के तहत प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्त किया है, ताकि वे अध्यक्ष के चुनाव तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत लोकसभा के सदस्यों सुरेश कोडिकुन्जिल, थलक्रीष्ण राजुनेवर बालू, राधा मोहन सिंह, फगन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंद्योपाध्याय को अध्यक्ष के चुनाव तक 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की सहायता करने के लिए नियुक्त की है।

छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध: धर्मदेव प्रधान

समीक्षा

- जांच के लिए बनाएंगे हाई लेवल कमेटी
- नीट के साथ समझौता नहीं होगा
- सुप्रीम कोर्ट का नीट यूजी काउंसिलिंग पर रोक लगाने से फिर इनकार

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के दौरान अनियमितताओं के आरोपों के बीच केंद्र ने गुरुवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदेव प्रधान ने एक ब्रीफिंग में कहा, हम शून्य-त्रुटि परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और एनटीए कामकाज में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं करेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा के संदर्भ में हम बिहार सरकार के संपर्क में हैं। हमें पटना से कुछ सुचनाएं मिल रही



हैं। पुलिस पुलिस जांच कर रही है और उनके द्वारा एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी। विश्वस्तरीय जानकारी के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाने जा रही है। उस उच्च स्तरीय समिति से एनटीए, इसकी संरचना, कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया, पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और बेहतर बनाने के लिए सिफारिशों की अपेक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर एनटीए के किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा, सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रधान ने कहा कि एक अलग घटना (बिहार पेपर लीक) का असर उन लाखों छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी थी।

ताकि बुझा सके बेजुबान अपनी प्यास



अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। तेज धूप और जान लेना तपिश से मानव हो या जानवर सब परेशान है। इस गर्मी से जहां मानव हानि की खबरें हैं वहीं बेजुबानों की भी मौतें हो रही हैं। हैरत है कि इससे सरकार से लेकर प्रशासन तक बेखबर हो सिर्फ वक्तव्यों और इश्टिहारों से जीवन बचाने की सीख दे रहा है।

वहीं एक शख्स ने अपने निजी संसाधन से ऐसा कर दिखाया जिसकी तारीफ हर जुबां पर है। फरेंदा कस्बे में एक निजी चिकित्सालय की डायरेक्टर नीना अरुण चतुर्वेदी ने पानी के लिए जंगल से भाग कर आ रहे जानवरों के लिए जंगलों में छोटे छोटे जलाशय खुदवाकर उसमें पानी भरवाने का काम किया है। कस्बे में भटक रहे छुट्टी पशुओं के लिए भी करीब सौ होंदों में पानी

भरवाने का नेक काम किया है। बता दें कि जंगलों में पशुओं के पानी का इंतजाम करने की जिम्मेदारी वन विभाग की है। जंगलों के जलाशय सूखे पड़े हैं और अधिकांश तो अस्तित्वहीन हो गए। वन विभाग द्वारा इस ओर ध्यान न देने से जहां भारी संख्या में बंदर बस्तियों में आकर उत्पात मचाने लगे वहीं पानी के लिए भटक कर बाहर निकले अनगिनत हिरन मर गए। इसी तरह कस्बों में छुट्टी पशुओं के पानी के इंतजाम की जिम्मेदारी नगरीय प्रशासन की है। दुर्भाग्य से उसने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। प्यास से तड़प कर मर रहे बेजुबानों की ओर ध्यान देकर उनके लिए जंगल से लेकर कस्बे तक पानी की व्यवस्था कर निश्चय ही नीना अरुण चतुर्वेदी ने पुण्य का काम किया है। उनके इस काम की सराहना हर ओर हो रही है।

गृह आधारित देखभाल (एचबीवाईसी) कार्यक्रम के तहत आशा बहुओं को किया गया प्रशिक्षित



डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के सीएचसी सिरिसिया में गृह आधारित देखभाल (एचबीवाईसी) कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रशिक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ. होलेन्द्र मणि ओझा ने आशा बहुओं को गृह भ्रमण के दौरान गर्भवती महिलाओं का प्रसव योजना बनाकर सरकारी संस्थान प्रसव करवाने के लिए निर्देशित किया। डॉ.ओझा के द्वारा बताया गया संस्थागत प्रसव से जल्दा और बच्चा दोनों सुरक्षित किया जा सकता है। सुघमा द्विवेदी ने प्रशिक्षण के दौरान आशाओं को लक्ष्य के सापेक्ष गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण तथा संस्थागत प्रसव के फायदे की जानकारी दी गई। राजीव त्रिपाठी तथा मेराज अहमद के द्वारा आरंभिक बाल विकास, विकासक विलंब के मुख्य लक्षण, टीकाकरण के साथ-साथ आशा बहु को अक्षय मार्ग के विषय में प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान फूल कुमारी, सूर्यदेव सिंह, पार्वती, मंजू, शीला, कृष्णावती, पुष्पा, रेखा आदि मौजूद रहे।

लोहिया नगर से बाइक गायब दिया शिकायती पत्र

बदनी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत बदनी के वार्ड नं 3 लोहिया नगर से दिन में ही एक बाइक गायब हो जाने का मामला प्रकाश में आया है, जिसकी पीड़ित ने लिखित शिकायती पत्र देकर उचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है। देबठआ थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बदनी अंतर्गत नगर पंचायत बदनी वार्ड नंबर 3 लोहिया नगर निवासी संजय पुत्र राजकुमार ने पुलिस चौकी बदनी पर शिकायती पत्र देते हुए बताया कि बीते बुधवार की दोपहर को मैंने अपना मोटर साइकिल काले रंग की सुपर स्पेंडेर यूपी 43 एडी 3142 को घर पर खड़ा करके घर के अंदर चला गया। कुछ घंटे बाद बाहर निकलकर देखा तो मोटर साइकिल घर से गायब था। घर के आसपास काफी खोजबीन व लोगों से पूछताछ किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। पीड़ित ने बाइक के गायब हो जाने की लिखित शिकायती पत्र पुलिस चौकी बदनी को देकर उचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

डुमरियागंज मूल के प्रवासी ई. अजय अग्रहरि न्यूजीलैंड में बच्चों दे रहे है योग का ज्ञान

सुधांशु अग्रहरि

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। भारत सहित पूरी दुनिया में 21 जून को योग दिवस काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है। ऐसे में जहां भारत लोग काफी उत्साहित है वहीं न्यूजीलैंड में भी योग दिवस के दो सप्ताह पहले से ही योग दिवस को लेकर काफी उत्साह का माहौल है। वहां पर डुमरियागंज मूल के प्रवासी ई. अजय अग्रहरि न्यूजीलैंड में बच्चों को योग का ज्ञान देकर योगाभ्यास करा रहे हैं। अजय अग्रहरि डुमरियागंज मूल के एक युवा प्रवासी हैं, जो न्यूजीलैंड में एक रिसेच संस्थान में इंजीनियर हैं। इनका योग का काफी जुड़ाव है, और यह योग अलायन्स के साथ एक पंजीकृत योग शिक्षक (आर.वाई.टी.) है, जो न्यूजीलैंड में निशुल्क योग सिखाते हुए योगाभ्यास कराते हैं। अजय के अनुसार योग एक विज्ञान है जो आपकी मन व शरीर को उसकी प्राकृतिक स्वास्थ्य अवस्था में लाता है तथा आपकी आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। वर्ष 2019 के वाराणसी में आयोजित युवा प्रवासी दिवस पर भारत सरकार ने उन्हें न्यूजीलैंड से यूथ डेलेगेट के रूप में बीएचयू और पूरे देश भर से चयनित एनएसएस के विद्यार्थियों से अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया था। अजय ने न्यूजीलैंड में भी योग के क्षेत्र में कई कीर्तमान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष



स्थापित कर पुरस्कृत भी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि हिन्दू कार्डिनल ऑफ न्यूजीलैंड द्वारा हेल्थ फॉर ह्यूमैनिटी योगाथन कार्यक्रम हर वर्ष न्यूजीलैंड के सभी शहरों व कस्बों में योग सप्ताह के रूप में आयोजित किया जाता है। जिसमें दो सप्ताह में ज्यादा से ज्यादा सूर्य नमस्कार लोगों को करने का लक्ष्य रखा जाता है। कार्यक्रम में नेशनल कॉर्डिनेटर अजय के नेतृत्व में योगाथन कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2019 में 108000 सूर्य नमस्कार, 2020 में 2021 में 140000 सूर्य नमस्कार तथा 2022 में 250000 सूर्य नमस्कार कराकर कीर्तमान स्थापित किया गया है। अजय अग्रहरि ने बताया कि योग का महत्व अब और अधिक बढ़ गया है, तथा

बच्चों का शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विकास के लिए योग आवश्यक: अजय अग्रहरि

यह प्रत्येक परिवार, समुदाय और संस्था का हिस्सा बन गया है। योग के महत्व को लेकर लोगों में काफी आशा व उत्साह है। यह वास्तव में हर परिवार, हर समुदाय, हर संस्थान का हिस्सा बन गया है कि वे इस बारे में सोचना शुरू करें कि योग किस तरह से उनके जीवन में मूल्य ला सकता है और उस समुदाय के सदस्यों और उनके परिवारों को आज दुनिया में हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है। अब युवा और छात्र भी इसमें बहुत अधिक शामिल हो रहे हैं और योग को एक संपूर्ण और समग्र परंपरा के रूप में देखते हैं। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड में जहां भी जाता हूँ, वहीं युवा लोग, छात्र, खास तौर पर कॉलेज के बच्चे...इसमें बहुत शामिल होते हैं। शुरू में, वे इसे शारीरिक फिटनेस की परंपरा के रूप में देखते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि वे बहुत जल्दी आगे बढ़ जाते हैं और देखते हैं कि यह एक संपूर्ण और समग्र परंपरा है। योगाथन कार्यक्रम को यहां काफी लोकप्रियता प्राप्त हुई है और यह एक बहुत बड़ा कार्यक्रम बन कर उभरा है, जिससे योग व उसके लाभ से न्यूजीलैंड के निवासी इतना प्रभावित हुए हैं

कि यहां पर डेढ़ सारा योगा स्कूल खुल गया है और वहां के लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काफी उत्साहित होकर मनाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग सप्ताह का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी को निशुल्क में योग सिखाई जाती है और योग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता है। जिसमें वहां के लोगों को योग, भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, मंत्रों से पहचान कराई जाती है। योगाथन टीम ने इस बार योगाथन कार्यक्रम को स्कूलों, कॉलेजों व यूनिवर्सिटी में भी ले जाने का प्रयास किया, जिसके फलस्वरूप मैसरी यूनिवर्सिटी में योगाथन के अंतर्गत योगा क्लासेस कराये गये। एएसएम नॉर्मल प्राइमरी स्कूल के प्रधानाचार्य इस योगाथन कार्यक्रम व योग से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने विद्यालय के अगले सत्र में योग को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की है। अजय अग्रहरि ने बताया कि इस बार मुख्य रूप से बच्चों को योग की जानकारी देकर योगाभ्यास कराया जा रहा है जिसमें योग के अलग अलग आसन के साथ, सूर्य नमस्कार, धामरी, कपालभाति आदि का विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विकास हो सकेगा। अजय के अनुसार योग एक जीवन पद्धति है जिससे व्यक्ति, समाज तथा परिवार संस्कारित बनते हैं।

सद्विध परिस्थितियों में मिली अथेड की लाश

आलापुर (अंबेडकरनगर) अवधनामा संवाददाता। थाना क्षेत्र राजेयुलानपुर अंतर्गत ग्राम केदरपुर में आज दोपहर सविये परिस्थितियों में एक अथेड व्यक्ति की मौत हो गई। मालूम हो ग्राम केदरपुर निवासी रूदल यादव उम्र लगभग 60 वर्ष के पेड़ पर गांव का ही एक 10-12 साल का लड़का आम तोड़ रहा था जिसको रुदल यादव ने देख लिया और भरी दोपहरी में ही लड़के को आम तोड़ने से रोकते हुए दौड़ा लिए दौड़ते वक्त रास्ते में ही वह गिर गए और उनकी मौत हो गई जबकि आम तोड़ रहा लड़का भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद नवक के परिजनों द्वारा आम तोड़ रहे लड़के एवं उसके मां-बाप के ऊपर आरोप लगाया गया कि इन लोगों ने मारपीट कर रुदल की हत्या कर दी है और सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस थाना अध्यक्ष विजय प्रताप तिसारी क्षेत्राधिकारी आलापुर राम बहादुर सिंह ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया।

लखनऊ नगर निगम जलकल विभाग, जौन-1 लालबाग, लखनऊ

पत्र सं: 413/EE-1/नि. दिनांक : 20.06.2024
अल्पकालिक निविदा सूचना
जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित आपूर्ति/कार्यो हेतु पृथक-पृथक निविदाएं इस कार्यालय में दिनांक 27/06/2024 अपराह्न 2.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 27/06/2024 को अपराह्न 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। सम्बन्धित कार्य को निविदा प्रपत्र अधिशासी अभियन्ता जौन-1 जलकल विभाग नगर निगम लखनऊ के कैश काउन्टर से निर्धारित शुल्क (Non-Refundable) जमा करके प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा की शर्तें निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, जो किसी भी कार्यदिवस में अवलोकित की जा सकती है। निविदा के साथ वाछित धरोहर राशि जमा करना अनिवार्य है। किसी भी या समस्त निविदाओं को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में विदित है।

क्र.सं.	कार्य/आपूर्ति का विवरण	निविदा शुल्क (₹.)	धरोहर धनराशि (₹.)	कार्य/आपूर्ति की अवधि
1	जौन-1 अन्तर्गत मोहम्मद वाली गली वे-लेन में 90एम0एम ब्यास की लगभग 120 मीटर पी0बी0सी0 पाइप लाइन खोलने का कार्य।	150.00	3500.00	07 दिवस

अधिशासी अभियन्ता जौन-1 जलकल विभाग, लालबाग, लखनऊ

कार्यालय ग्राम पंचायत कुसिया, वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

अल्पकालीन निविदा/टेन्डर

वित्तीय वर्ष 2024-25 मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग 15वां व केन्द्रीय वित्त आयोग अन्तेष्टी स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय/पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण-सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21-06-2024 से 26-06-2024 तत्कार्यालय दिवस में अपराह्न दो बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। दिनांक 27-06-2024 को निविदा हेतु गठित कमिटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष दोपहर 12:00 बजे तक खोली जाएगी। निविदा फॉर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्रकलन के अनुसार)	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	ईंट, 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
2	सीमेंट, शौचालय में कार्य करने वाले समूह का मानदेय	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी.	
4	स्टोन बलास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईंट गिट्टी 20 एम.एम./42 एम.एम.। अन्तेष्टीय स्थल खडंडा, गोशाला केन्द्र	प्रति घन मी.	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट, पैन्ट आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्स ब्लाक ईंट/इण्टरलाकिंग ईंट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/ हाईमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ब्लूम पाइप 150 एम.एम. 300 एम.एम. 350 एम.एम. 600 एम.एम. 800 एम.एम. NP3	प्रति मी.	
11	टाइल्स विभिन्न साइज	प्रति वर्ग मी.	
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी.	
13	सफाईकमी स्वच्छता कीट/सेनेटाइजर, इस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री प्रिक्रास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईंगल/प्रिक्रास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
15	जिम के संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति घन मी.	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि स्वच्छता हेतु कूड़ादान व्यवस्था	प्रति नग	
18	बालू पेंटिंग व प्रचार-प्रसार इत्यादि	प्रति वर्ग मी.	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम	प्रति नग	
20	गोशाला में चूना-चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		
22	S.L.W.M. अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मियों का मानदेय		

प्रतिबंध एवं शर्तें: सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात् तय की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जाएगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यिक द्वारा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा सामग्री आपूर्ति के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

रविता सिंह
ग्राम प्रधान- कुसिया
वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

अविनाश सिंह
सचिव-कुसिया
वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

दुर्गा देवी
ग्राम प्रधान- लोहगाजर
वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

अविनाश सिंह
सचिव- लोहगाजर
वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत लोहगाजर, वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

अल्पकालीन निविदा/टेन्डर

वित्तीय वर्ष 2024-25 मनरेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग 15वां व केन्द्रीय वित्त आयोग अन्तेष्टी स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय/पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण-सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21-06-2024 से 26-06-2024 तत्कार्यालय दिवस में अपराह्न दो बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। दिनांक 27-06-2024 को निविदा हेतु गठित कमिटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष दोपहर 12:00 बजे तक खोली जाएगी। निविदा फॉर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्रकलन के अनुसार)	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	ईंट, 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईंट	प्रति हजार	
2	सीमेंट, शौचालय में कार्य करने वाले समूह का मानदेय	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी.	
4	स्टोन बलास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईंट गिट्टी 20 एम.एम./42 एम.एम.। अन्तेष्टीय स्थल खडंडा, गोशाला केन्द्र	प्रति घन मी.	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट, पैन्ट आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्स ब्लाक ईंट/इण्टरलाकिंग ईंट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईंट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/ हाईमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ब्लूम पाइप 150 एम.एम. 300 एम.एम. 350 एम.एम. 600 एम.एम. 800 एम.एम. NP3	प्रति मी.	
11	टाइल्स विभिन्न साइज	प्रति वर्ग मी.	
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी.	
13	सफाईकमी स्वच्छता कीट/सेनेटाइजर, इस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री प्रिक्रास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईंगल/प्रिक्रास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
15	जिम के संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति घन मी.	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि स्वच्छता हेतु कूड़ादान व्यवस्था	प्रति नग	
18	बालू पेंटिंग व प्रचार-प्रसार इत्यादि	प्रति वर्ग मी.	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम	प्रति नग	
20	गोशाला में चूना-चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		
22	S.L.W.M. अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मियों का मानदेय		

प्रतिबंध एवं शर्तें: सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात् तय की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जाएगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यिक द्वारा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा सामग्री आपूर्ति के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

ठवालियर में तीन मंजिला मकान में आग लगी, पिता और दो बेटियां जिंदा जले

ठवालियर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के ठवालियर शहर के बहोड़पुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलाशनगर में बुधवार रात एक तीन मंजिला मकान में आग लग गई। इस हादसे में मकान में रहने वाले एक व्यक्ति और उनकी दो बेटियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारी पहुंचे। एसडीआरएफ और एयरफोर्स को भी मदद के लिए मौके पर बुलाया गया। इसके बाद मौके पर एक के बाद एक फायर ब्रिगेड की 13 गाड़ियां पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना रात दो से तीन बजे के बीच हुई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। बताया गया है कि बहोड़पुर थाना इलाके के कैलाशनगर में विजय उर्फ बंटी अग्रवाल का तीन मंजिला मकान है, जिसमें इमारत में ग्राउंड

मौत

« इस हादसे में मकान में रहने वाले एक व्यक्ति और उनकी दो बेटियों की जिंदा जलने से मौत हो गई।



लगीं। मकान से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता नीचे से है। यहां आग फैली हुई थी। दूसरा रास्ता मकान के पिछले हिस्से से है, लेकिन वहां उन्होंने अलमारी रखी हुई थी, जिसकी वजह पिता और दोनों

लेकिन स्थिति काबू में नहीं आई, क्योंकि आग बहुत ज्यादा फैल चुकी थी। इसके बाद एसडीआरएफ और एयरफोर्स को भी मदद के लिए मौके पर बुलाया गया। एसडीआरएफ की 13 सदस्यीय

को मृत घोषित कर दिया। एएसपी अखिलेश रैवाल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। मकान में फंसे तीन लोगों को निकालकर अस्पताल भेजा गया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं, प्रत्यक्षदर्शी पड़ोस में रहने वाले शैलू चौहान ने बताया कि आग बहुत भीषण थी। बेटियां और विजय अंदर से बाहर ही नहीं आ सके। एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर प्रभारी गोविंद शर्मा ने बताया कि हमें रात तीन बजे आग की सूचना मिली। हम लोग यहां मौके पर आए और दीवार तोड़कर विजय को बाहर निकाला। तीसरी मंजिल पर दरवाजा था, लेकिन अलमारी लगी होने से उसे भी तोड़ा गया। तीसरी मंजिल से दोनों बच्चियों को बाहर निकाला। गुरुवार तड़के 4.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया था।

जीने में बाधा नहीं बन सकती। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दिव्यांगजन अपने कौशल और प्रतिभा से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने दीपा मलिक,



अरुणिमा सिन्हा और अनीता लेखरा जैसे खिलाड़ियों और के.एस. राजन्ना जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे सभी लोग इस बात के उदाहरण हैं कि समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ, कोई भी व्यक्ति

पिछले कई दशकों से विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है। उन्होंने दिव्यांगजनों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में काम करने के लिए संस्थान से जुड़े सभी लोगों की सराहना की।

सोपोर मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता: सेना

श्रीनगर (हि.स.)। सेना ने गुरुवार को कहा कि उत्तरी कश्मीर के सोपोर में राफियाबाद मुठभेड़ में दो विदेशी



आतंकवादियों को मार गिराना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता है। कुवाड़ा जिले के पोहरूपेट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेना की 7 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल (आरआर) के कमांडर दीपक मोहन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सोपोर के राफियाबाद में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में

लगातार इनपुट मिल रहे थे। 19 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस को हादीपोरा, राफियाबाद के एक घर में

और सेना के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मार गए दोनों आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े थे और उनकी पहचान उस्मान और उमर के रूप में हुई है। सेना अधिकारी ने बताया कि उस्मान 2020 से कश्मीर में सक्रिय था।

उन्होंने कहा कि मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियारसहित और गोला-बारूद बरामद किया गया है। दो आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता है। पिछले कुछ महीनों से हमने उच्च परिचालन गति बनाए रखी है, जो आतंकवादियों के खात्मे के रूप में अच्छे परिणाम दे रही है। उन्होंने कहा कि इस सफलता का श्रेय कश्मीरी लोगों से मिले सहयोग को भी जाता है। उन्होंने आश्चर्य किया कि सुरक्षा बल कश्मीर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

यूजीसी-नेट परीक्षा मामले की सीबीआई करेगी जांच, नई तारीख जल्द होगी घोषित : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करने के एक दिन बाद गुरुवार को कहा कि मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि दोबारा परीक्षा की तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी।

शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल ने शास्त्री भवन में संवाददाताओं को बताया कि एनटीए द्वारा 18 जून को आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा में 9 लाख छात्रों ने भाग लिया था। मंत्रालय ने देखा कि परीक्षा में गड़बड़ी की संभावना है। मंत्रालय ने उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए परीक्षा को रद्द कर दिया था।

उन्होंने कहा कि छात्र हित को सर्वोपरि मानते हुए मंत्रालय ने परीक्षा रद्द करने का फैसला किया



दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 18 जून को देश के विभिन्न शहरों में दो शिफ्ट में ओएमआर (पेन और पेपर) माध्यम से यूजीसी-नेट जून 2024 की परीक्षा आयोजित की थी। 19 जून को विश्वविद्यालय अनुदान

आयोग (यूजीसी) को गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से इस परीक्षा को लेकर कुछ जानकारीयां मिली हैं। इन जानकारीयों से प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि उक्त परीक्षा की सत्यता से संभवतः समझौता हुआ है।

इस परीक्षा प्रक्रिया को उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि यूजीसी-नेट जून 2024 परीक्षा रद्द की जाए। एक नई परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके लिए जानकारी अलग से साझा की जाएगी। साथ ही इस मामले की गहन जांच के लिए

मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) को सौंपा जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, जहां तक नीट (यूजीसी) परीक्षा-2024 से संबंधित मामला है तो उसमें ग्रेस मार्क से जुड़े मुद्दे को पहले ही पूरी तरह सुलझा लिया गया है। पटना में परीक्षा के संचालन में जो कथित अनियमितताएं हुई हैं उनके संबंध में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने पर सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। मंत्रालय का कहना है कि सरकार परीक्षाओं की पवित्रता सुनिश्चित करने और छात्रों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पुनः दोहराया जाता है कि इस मामले में लिसि पाए गए हर व्यक्ति व संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिकों के लिए 21 जून को हिंडन वायु सेना स्टेशन पर लगेगा रोजगार मेला

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के हिंडन (गाजियाबाद) स्थित वायु सेना स्टेशन के ऑडिटोरियम में 21 जून को पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार मेला लगाया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) की ओर से आयोजित इस मेले का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को रोजगार का दूसरा अवसर दिलाना है। देशभर से तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिक इस रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। मेले में लगभग 40 कॉरपोरेट कर्पणियों के भाग लेने की उम्मीद है, जो पूर्व सैनिकों को फोल्ड जॉब, प्रशासनिक कार्य, ड्रैफ्ट जॉब, संस्थागत सुरक्षा और संबंधित कार्यों जैसे विभिन्न नौकरियों की पेशकश करेंगे। पुनर्वास महानिदेशालय की ओर से बताया गया है कि रोजगार मेला स्थल पर सुबह 07 से 10 बजे तक पंजीकरण होगा।

प्रधानमंत्री प्रचंड ने सदन के अन्दर गठबंधन के ही नेताओं और मंत्रियों से जताई असंतुष्टि

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के सत्तारूढ़ दल गठबंधन में पिछले कुछ दिनों से लगातार अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसका नमूना गुरुवार को उस समय भी दिखाई दिया, जब प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' सदन को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री 'प्रचंड' ने अपने संबोधन में गठबंधन दल के नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से असंतुष्टि जाहिर की। संसद में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री प्रचंड ने बजट को लेकर विपक्षी दलों की नाराजगी और विरोध को जायज बताया है। प्रधानमंत्री के आज के बयान के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन में स्पष्ट रूप से दरार होने की बात पुष्टि हो गई है। प्रधानमंत्री ने अपने ही गठबंधन के नेताओं, सांसदों और मंत्रियों के सदन से अनुपस्थित रहने को लेकर भी अपनी नाराजगी जाहिर की है।

ताइवान को 36 करोड़ डॉलर के हथियार देगा अमेरिका

मंजूरी « ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने बुधवार को ताइपे में ताइवान को नवीनतम हथियार बिक्री को मंजूरी देने के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया।

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने मंगलवार को ताइवान को 36 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी है। इसमें 291 अल्ट्रास-600एम सिस्टम शामिल हैं। इस प्रणाली में युद्धक हथियारों के साथ लैंस मानवरहित विमान या ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस दावे से चीन की ईशान बड़ गई है। इसके अलावा ताइवान को अधिक रेंज वाले 720 स्विचब्लेड ड्रोन और मिसाइल भी



दिए जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि यह ताइवान की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करेगा और क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता, सैन्य संतुलन और आर्थिक प्रगति बनाए रखने में सहायता करेगा। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने बुधवार को ताइपे में ताइवान को नवीनतम हथियार बिक्री को मंजूरी देने के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि

विदेशमंत्री जयशंकर दूसरे कार्यकाल में अपनी पहली यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे



नई दिल्ली (हि.स.)। भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर अपने लगातार दूसरे कार्यकाल की अपनी पहली विदेश यात्रा पर आज कुछ देर पहले श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंचे। उनका कोलंबो में जोरदार स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह यात्रा भारत की %पड़ोसी पहले नीति% के तहत है और श्रीलंका को लगातार अपने निकटतम समुद्री पड़ोसी के रूप में देखती है। विदेशमंत्री जयशंकर ने कोलंबो पहुंचने के दो फोटो अपने एक्स हैडल पर साझा किए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एस. जयशंकर की यह यात्रा दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी परियोजनाओं और अन्य क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी होगी। उल्लेखनीय है कि जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया क्षेत्र में आयोजित जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

फिलीपीन ने चीन से हथियार लौटाने, नौकाओं के नुकसान की भरपाई को कहा

मनीला (हि.स.)। फिलीपीन और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर संघर्ष व विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने बुधवार को चीन से विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाने तथा हमले में हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। उन्होंने इस हमले की तुलना दक्षिण चीन सागर में समुद्री लूट की घटना से की।

फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को

टकराव

« फिलीपीन के सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि टकराव के बाद, चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर लिया और उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने नौवहन उपकरणों, आठ एम4 राइफलें हथियारों से क्षतिग्रस्त कर दिया।

अन्य आपूर्ति स्थानांतरित करने से रोका दिया। इस चौकी पर भी चीन अपना दावा करता है। फिलीपीन के सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि टकराव के बाद, चीनी

कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर लिया और उन्हें हथियारों से क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने नौवहन उपकरणों, आठ एम4 राइफलें हथियारों से क्षतिग्रस्त कर दिया।



भी जब्त कर लीं और नौसेना के कई कर्मियों को घायल कर दिया। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने पश्चिमी पलावन प्रांत में संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हम मांग करते

हैं कि चीन हमारी राइफलें और हमारे उपकरण लौटा दे। हम यह भी मांग करते हैं कि उन्होंने जो नुकसान पहुंचाया है उसकी भरपाई

की जाए।" चीन ने इस टकराव के लिए फिलीपीन को दोषी ठहराते हुए कहा कि फिलीपीन के कर्मियों ने उसकी चेतावनियों की अवहेलना करते हुए समुद्र में उसके जल क्षेत्र का 'अतिक्रमण' किया।

नेपाल-भारत की खुली सीमा पर कंटीले तार लगाने की मांग वाले बयान का विरोध शुरू

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल की सत्तारूढ़ गठबंधन के सबसे बड़े शक्ति दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के संसदीय दल के प्रमुख सचेतक महेश बत्तीला ने नेपाल-भारत की खुली सीमा बंद करने और कंटीले तार लगाने वाला आपत्तिजनक बयान दिया है। अब



इस बयान का चौरफा विरोध हो रहा है। नेपाल-भारत महिला मैत्री संघ की अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री चंदा चौधरी ने बत्तीला के इस बयान को आपत्तिजनक बताया है। इसकी

राजनीति करने वाले और काल माक्स, लेनिन और माओ को अपना आदर्श मानने वाले वामपंथी नेताओं के नेपाल और भारत के बीच रहे अतृप्य संबंध पर प्रहार करना

लाजिमी है। नेपाल-भारत के बीच मैत्री को और मजबूत करने के लिए पिछले डेढ़ दशक से लगातार सक्रिय चन्दा चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी नेपाली कांग्रेस कभी भी इस बात को नहीं सोच सकती कि दोनों देशों के बीच दुश्मनी की तरह दीवार खड़ी की जाए। चौधरी ने आरोप लगाया कि दोनों देशों के बीच के सीमाओं को तार से घेरने की बात करने वाले वहां की जमीनी हकीकत को नहीं समझते हैं। चन्दा चौधरी ने अपने बयान में कहा कि नेपाल और भारत के बीच पूरी दुनिया से अलग सम्बन्ध हैं, उसका एकमात्र आधार हमारी खुली सीमा है। उन्होंने कहा कि खुली सीमा के कारण हमारा जन-जन का संबंध है और खुली सीमा के कारण ही युगों-युगों से चलते आ रहे धार्मिक, पौराणिक, आध्यात्मिक, पारिवारिक, सामाजिक आर्थिक संबंध टिके हैं।

राजनीति करने वाले और काल माक्स, लेनिन और माओ को अपना आदर्श मानने वाले वामपंथी नेताओं के नेपाल और भारत के बीच रहे अतृप्य संबंध पर प्रहार करना

अमेरिका का हवाई हमला, सीरिया में आईएसआईएस का बड़ा रणनीतिकार मारा गया

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के सीरिया में किए गए हवाई हमले में कुख्यात आतंकवादी संगठन आईएसआईएस को तगड़ा नुकसान हुआ है। उसका एक शीर्ष और भरोसेमंद नेता मारा गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एक्स हैडल पर उपलब्ध ब्योरे में मारे गए इस कुख्यात रणनीतिकार का नाम उसामा जमाल मुहम्मद इब्नाहिम अल-जनाबी बताया गया है। वह संगठन में आतंकियों की भर्ती करता था। कमांड ने कहा कि यह हमला सीरिया के कसीरिया में 16 जून को किया गया था। उल्लेखनीय है कि जिहादी संगठन के रूप में बर्बर गतिविधियां संचालित करने वाले आईएसआईएस को इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड सीरिया और इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लीवेंट के रूप में भी पुकारा जाता है। यह इराक और सीरिया में

सक्रिय है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 19 जून को एक्स हैडल पर



यह भी साझा किया है कि उसके बलों ने लाल सागर में ईरान समर्थित दो हूती मानवरहित जहाजों (को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इसके अलावा यमन के

हूती नियंत्रित क्षेत्र में एक भूमिगत कंट्रोल स्टेशन और एक कमांड

मुख्यालय को भी हमलाकर नष्ट कर दिया गया। कमांड ने कहा कि उसका हमला सकेगा नहीं। यह हमले लाल सागर में सामान्य स्थिति होने तक जारी रहेंगे।

